ANNUAL SECONDARY EXAMINATION, 2016

HINDI (हिन्दी)

समयः 3 घण्टे] **SET-A** **[पूर्णांक: 100**

सामान्य निर्देश :

1. इस प्रश्न पत्र के चार खण्ड हैं यथा क, ख, ग एवं घ। चारों खण्डों से सभी प्रश्न अनिवार्य है।

2. प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के साथ दिए गए निर्देश के आलोक में ही लिखें।

3. 1 अंक के प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक एक शब्द या एक वाक्य में, 2 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 40 शब्दों में, 3 अंक के प्रश्नों के उतर प्रत्येक लगभग 60 शब्दों में, 4 अंक के प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक लगभग 80 शब्दों में, 5 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में एवं 10 अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में लिखें।

खण्ड-क : अपठित गद्यांश (20 अंक)

प्रश्न 1. नीचे दिये गये गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

भारतवर्ष बहुत पुराना देश है। उसकी सभ्यता और संस्कृति भी बहुत पुरानी है। भारतवासियों को अपनी सभ्यता और संस्कृति पर बड़ा गर्व है। वैज्ञानिक आविष्कारों द्वारा प्राप्त हुए साधनों को अपनाते हुए भी जब अनेक अन्य देशवासी अपने पुराने रहन-सहन और रीति-रिवाज को बदलकर नए तरीके से जीवन बिताने लगे तब भी भारतवासी अपनी पुरानी सभ्यता और संस्कृति पर डटे रहे और बहुत काल तक यह देश ऋषि-मुनियों का देश ही कहलाता रहा। विश्व के मानव-जीवन के उस नए दौर का असर पूर्ण रूप से भारतवासियों पर पड़ा नहीं ।

हवाई जहाज की सैर की सुविधा के मिलने के बाद भी पैदल की जाने वाली तीर्थ यात्राएँ होती ही रहीं। पाँच नक्षत्र वाले होटलों में 'शावर बाथ' की सुविधाओं के होते हुए भी गंगा-स्नान और संध्या-वंदन का दौर चलता ही रहा। कारण यह है कि जब जीवन में उन्नति के लिए अन्य देशवासी नए आविष्कारों और उनके द्वारा प्रदान की

गई सुविधाओं के पीछे भाग रहे थे, जब भी भारतवासियों का अपने रीति-रिवाजों और रहन-सहन पर पूरा विश्वास था और सम्पूर्ण रूप से नए आविष्कारों का शिकार होना नहीं चाहते थे। इसका कारण यह भी था कि विज्ञान के आविष्कारों के नाम से जीवन को आसान बनवाने वाली सुविधाओं को अपने देहाती ढंग से प्राप्त करके जीने का तरीका प्राचीन काल से भारतवासी जानते थे।

इसी भाँति छोटे क्षेत्रफल वाली जमीन को जीतने की बात तो अलग है। पर आज ट्रैक्टरों का इस्तेमाल करके विशाल क्षेत्रफल वाली भूमि को भी थोड़ी ही देर में आसानी से जोत डालने की सुविधा तो है। इसका मतलब यह नहीं था कि हमारे पूर्वज इस प्रकार की सुविधाओं के अभाव में विशाल क्षेत्रफल वाली भूमि को जोतते ही नहीं थे। उस जमाने में भी उस समय पर प्राप्त सामग्रियों का इस्तेमाल करके विशाल से विशाल भूमि को भी जोत डालते ही थे। ऐसी विशाल जमीन के चारों ओर सबसे पहले एक छोटे-से द्वार मात्र को छोड़कर आट लगाते थे। पूरी जमीन पर जंगली पौधे अपने आप उग लेंगे ही। फिर सिर्फ एक रात्रि के लिए जमीन पर जंगली सूअरों को भगाकर द्वार बंद कर देते थे। पौधों की जड़ को खाने के उत्साह में जंगली सूअर जमीन खोदने लगेंगे। सुबह देखने पर पूरी जमीन जोतने के बराबर हो जाएगी। बाद में सुअरों को भगाकर जमीन समतल कर लेते थे और खेतीबारी करते थे। उस कार्य के पीछे विज्ञान का नाम मात्र न था। यह कहना अत्युक्ति न होगी कि ट्रैक्टर नाम के इस नए आविष्कार के प्रेरक तो जंगली सूअर ही थे। कहने का तात्पर्य यह है कि प्राकृतिक साध नों का पूरा फायदा उठाना हमारे पूर्वज खूब जानते थे ।

प्रश्न-

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।

(ख) भारतवासियों को किस पर बड़ा गर्व है ?

(ग) बहुत काल तक यह देश क्या कहलाता रहा?

(घ) आज भी तीर्थ-यात्राएँ किस प्रकार सम्पन्न की जाती हैं?

(ड.) पाँच नक्षत्र वाले होटल से क्या तात्पर्य है?

(च) 'शावर बाथ' का क्या अर्थ है?

(छ) अपने देहाती ढंग से प्राप्त करके भारतवासी क्या जानते थे?

(ज) ट्रैक्टर के आविष्कार के प्रेरक कौन थे?

(झ) ट्रैक्टर के आने से पूर्व भारतवासी अपनी विशाल धरती को किनकी सहायता से जोतते थे?

(ञ) 'देश' का पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

(ट) 'भारतवासी' कौन समास है?

(ठ) 'अत्युक्ति' का क्या अर्थ है?

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उससे पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए-

ईश्वर का एक नाम दीनबंधु है। यदि हम वास्तव में आस्तिक हैं, ईश्वर भक्त हैं तो हमारा यह पहला धर्म है कि दीनों को प्रेम से गले लगाएँ, उनकी सहायता करें, उनकी सेवा-सुश्रूषा करें। तभी तो दीनबंधु ईश्वर हम पर प्रसन्न होगा। पर हम ऐसा कब करते हैं? आज हम दीन-दुर्बलों को ठुकरा-ठुकरा कर ही आस्तिक या दीनबंधु भगवान के भक्त बन बैठे हैं। दीनबंधु की ओट में हम दीनों को खूब सता रहे हैं। कैसे अद्‌वितीय आस्तिक हैं हम। न जाने क्या समझकर हम अपने कल्पित ईश्वर का नाम दीनबंधु रखे हुए हैं, क्योंकि इस नाम से उस लक्ष्मीकांत का स्मरण करते हैं।

यह हमने सुना अवश्य है कि त्रिलोकेश्वर कृष्ण की मित्रता और प्रीति सुदामा नाम के एक दीन-दुर्बल ब्राह्मण से हुई थी। यह भी सुना है कि भगवान यदुराज ने महाराज दुर्योधन का अतुल आतिथ्य अस्वीकार कर बड़े प्रेम से गरीब विदुर के यहाँ साग-भाजी का भोग लगाया था। पर यह बात कुछ चित्त में बैठती नहीं है। रहा हो कभी ईश्वर का दीनबंधु नाम। पुरानी सनातनी बात है, कौन काटे पर हमारा भगवान दीनों का भगवान नहीं है। वह उनकी घिनौनी कुटिया में रहने जाएगा? वह रत्न जड़ित सिंहासन पर विराजने वाला ईश्वर उन भुक्खड़ कंगालों के कटे-फटे कम्बलों पर बैठने जाएगा? वह मालपुआ, मोहनभोग पाने वाला भगवान उन खिलाड़ियों की रूखी-सूखी रोटी खाने जाएगा? कभी नहीं हो सकता, हम अपने बनवाये हुए विशल राजमंदिर में उन दीन-दुर्बलों को आने भी न देंगे। उन पतितों और अछूतों की छाया तक हम अपने खरीदे हुए विशिष्ट ईश्वर पर न पड़ने देंगे। दीन-दुर्बल भी कहीं ईश्वर भक्त

होते हैं? किसानों और मजदूरों की टूटी-फूटी झोंपड़ियों में ही प्यारा गोपाल वंशी बजाता मिलेगा। वहाँ जाओ और उसकी मोहिनी छवि निरखो। जेठ - वैशाख की कड़ी धूप में, मजदूर पसीने की टपकती हुई बूँदों में उस प्यारे राम को देखो। किसी धूल भरे हीरे की कनी में उस सिरजनहार को देखो। जाओ, पतित पददलित अछूत की छाया में उस लीला-बिहारी को देखो।

तुम न जाने उसे कहाँ खोज रहे हो। अरे भाई, यहाँ वह कहाँ मिलेगा? अरे इस सब चटक-मटक में वह कहाँ? वह तो दुखियों की आह में मिलेगा। गरीबों की भूख में मिलेगा। दीनों के दुख में मिलेगा। तो तुम वहाँ खोजने जाते नहीं । यहाँ व्यर्थ फिरते हो।

प्रश्न -

(क) उपर्युक्त गद्यांश का एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

(ख) 'दीनबंधु' का कया अर्थ है ?

(ग) आस्तिक व्यक्ति का पहला धर्म क्या है?

(घ) दीनबंधु की ओट में हम क्या कर रहे हैं?

(ङ) हमने क्या सुन रखा है?

(च) धनी लोग ईश्वर के बगार में क्या सोचते हैं?

(छ) ईश्वर के दर्शन कहाँ हो सकते हैं?

(ज) इस गद्यांश से दो व्यक्तिवाचक संज्ञा चुनकर लिखिए।

खण्ड-ख : रचना (15 अंक)

प्रश्न 3. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखें :

(क) बिरसा मुण्डा : (संकेत बिन्दु-परिचय, बचपन एवं शिक्षा कार्य एवं उपदेश, अंग्रेजों का विरोध, उपसंहार)

(ख) राष्ट्रीय एकता : (संकेत बिन्दु-भूमिका, एकता के लाभ, अनेकता के कारक, राष्ट्रीय एकता का महत्त्व, उपसंहार।)

(ग) वन-संरक्षण : (संकेत बिन्दु-भूमिका, वृक्ष प्रकृति का सुन्दर उपहार, वृक्षों के लाभ, वनों का संरक्षण, संरक्षण आवश्यक है, उपसंहार।)

प्रश्न 4. झारखण्ड के किसी ऐतिहासिक स्थल का वर्णन करते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए।

अथवा

विगत कुछ दिनों से आपके क्षेत्र में अपराध बढ़ गये हैं। उनके नियंत्रण हेतु थाना प्रभारी को एक पत्र लिखिए ।

खण्ड - ग : व्यावहारिक व्याकरण (15 अंक)

प्रश्न 5. वाक्य में प्रयुक्त क्रिया पदों को छाँट कर लिखिए:

(क) गाड़ी दौड़ रही है।

(ख) तुम कविता पढ़ रहे हो।

(ग) बच्चा गाय का दूध पीता है।

प्रश्न 6. रिक्त स्थानों की पूर्ति अव्यय पदों से कीजिए :

(क) मैं उसके विचार से ..... सहमत हूँ।

(ख) ..... बोलो, कोई सुन लेगा।

(ग) वह ..... आलोचना ही करता है।

प्रश्न 7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:

(क) रचना की दृष्टि से वाक्य के भेदों के नाम लिखिए ।

(ख) मेरे स्टेशन पहुँचने के पहले ही गाड़ी छूट चुकी थी । (मिश्र वाक्य में बदलें।)

(ग) हमारा उद्देश्य रहता है कि हम आत्मनिर्भर हों।

(आश्रित उपवाक्य को अलग कीजिए।)

प्रश्न 8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:

(क) मुझसे खेला नहीं जाता । (कर्तृवाच्य में बदलें)

(ख) कलाकार मूर्ति बनाता है। (कर्मवाच्य में बदलें ।)

(ग) गर्मी में कैसे सोओगे । (भाववाच्य में बदलें।)

प्रश्न 9. (i) 'देशभक्त' का समास विग्रह करें।

(ii) 'प्रतिदिन' कौन समास है?

(iii) 'अंबर' के दो भिन्न अर्थ लिखें।

खण्ड घ : पाठ्य पुस्तकें (50 अंक)

प्रश्न 10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया।

आलिंगन में आते-आते मुसक्या कर जो भाग गया।

जिसके अरुण-कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में।

अनुरागिनी उषा लेती थी जिन सुहाग मधुमाया में ।

उसकी स्मृति पाथेय बनी है, थके पथिक की पंथा की ।

सीवन को उधेड़ कर देखोगे क्यों मेरी कंथा की ?

प्रश्न :

(क) कवि तथा कविता का नाम लिखिए।

(ख) इस पद्यांश के कवि किस सुख की बातें कह रहे हैं?

(ग) स्मृति को 'पाथेय' बनाने में कवि का क्या आशय है?

(घ) 'कंथा' का यहाँ क्या अर्थ है?

अथवा

माँ ने कहा पानी में झाँक कर

अपने चेहरे पर मत रीझना

आग रोटियाँ सेंकने के लिए है।

जलने के लिए नहीं

वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह

बंधन हैं स्त्री जीवन के

माँ ने कहा लड़की होना

पर लड़की जैसी दिखाई मत देना ।

प्रश्न :

(क) कवि तथा कविता का नाम लिखिए।

(ख) आपके विचार से माँ ने ऐसा क्यों कहा कि लड़की होना पर लड़की जैसी मत दिखाई देना?

(ग) वस्त्र और आभूषण को स्त्री जीवन का बंधन क्यों कहा गया है?

(घ) माँ ने अपनी कन्या को अपने चेहरे पर रीझने के लिए क्यों मना किया?

प्रश्न 11. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) पठित पदों के आधार पर गोपियों का योग-साधना के प्रति दृष्टिकोण स्पष्ट करें।

(ख) कवि देव ने 'श्रीब्रजदूलह' किसके लिए प्रयुक्त किया है और उन्हें संसार रूपी मंदिर का दीपक क्यों कहा है? https://www.jharkhandboard.com

(ग) बच्चे की दंतुरित मुस्कान का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(घ) संगतकार किन-किन रूपों में मुख्य गायक-गायिकाओं का सहयोग करते हैं?

प्रश्न 12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) संकलित पदों को ध्यान में रखते हुए सूरदास के भ्रमरगीत की मुख्य विशेषताएँ लिखिए ।

(ख) 'फसल' कविता के आधार पर फसल के आवश्यक तत्व कौन-कौन से हैं?

अथवा

(क) 'उत्साह' कविता का संदेश क्या है?

(ख) कवि ने कठिन यथार्थ के पूजन की बात क्यों कही है?

प्रश्न 13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

फादर को जहरवाद से नहीं मरना चाहिए था। जिसकी रगों में दूसरों के लिए मिठास भरे अमृत के अतिरिक्त और कुछ नहीं था उसके लिए इस जहर का विधान क्यों हो? यह सवाल किस ईश्वर से पूछें? प्रभु की आस्था ही जिसका अस्तित्व था। वह देह की इस यातना की परीक्षा उम्र की आखिरी देहरी पर क्यों दे? एक लंबी, पादरी के सफेद चोंगे से ढकी आकृति सामने हैं- गोरा रंग, सफेद झाँई मारी भूरी दाढ़ी, नीली आँखें-बाँहें खेल गले लगाने को आतुर। इतनी ममता, इतना अपनत्व इस साधु में अपने हर एक प्रियजन के लिए उमड़ता रहता था ।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) फादर बुल्के के व्यक्तित्व को अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) जहरवाद किस रोग को कहा जाता है?

(घ) 'आस्था' का अर्थ लिखिए।

अथवा

संस्कृति के नाम से जिस कूड़े-करकट के ढेर का बोध होता है, वह न संस्कृति है न रक्षणीय वस्तु। क्षण-क्षण परिवर्तन होने वाले संसार में किसी भी चीज को पकड़कर बैठा नहीं जा सकता। मानव ने जब-जब प्रज्ञा और मैत्री भाव से किसी नए तथ्य का दर्शन किया है तो उसने कोई वस्तु नहीं देखी है, जिसकी रक्षा के लिए दलबंदियों की जरूरत है।

मानव संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है और उसमें जितना अंश कल्याण का है, वह अकल्याणकर की अपेक्षा श्रेष्ठ ही नहीं स्थायी भी हैं ।

(क) पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए।

(ख) मानव संस्कृति में कौन-सी चीज स्थायी है और क्यों?

(ग) क्षण-क्षण परिवर्तन' द्वारा लेखक ने क्या कहना चाहा है?

(घ) 'प्रज्ञा' और 'मैत्री' का अर्थ लिखिए ।

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) सेनानी न होते हुए भी चश्मे वाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे?

(ख) बिना विचार, घटना और पात्रों के भी क्या कहानी लिखी जा सकती है। यशपाल के इस विचार से आप कहाँ तक सहमत हैं?

(ग) लेखिका की अपने पिता से वैचारिक टकराहट को अपने शब्दों में लिखिए।

(घ) बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगल-ध्वनि का नायक क्यों कहा गया है?

प्रश्न 15. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) 'एक कहानी यह भी' पाठ का क्या संदेश है ?

(ख) बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी?

अथवा

(क) खेतीबारी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे?

(ख) सुषिर - वाद्यों से क्या अभिप्राय है?

प्रश्न 16. नाक मान-सम्मान व प्रतिष्ठा का द्योतक है। यह बात पूरी व्यंग्य रचना में किस तरह उभरकर आई हैं? लिखिए।

अथवा

सैलानियों को प्रकृति की अलौकिक छठा का अनुभव करवाने में किन-किन लोगों का योगदान होता है? उल्लेख करें।

प्रश्न 17. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए :

(क) आपके विचार से भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता है?

(ख) अखबारों ने जिन्दा नाक लगने की खबर को किस तरह से प्रस्तुत किया?

(ग) 'कटाओ' पर किसी भी दुकान का न होना उसके लिए वरदान है। इस कथन के पक्ष में अपनी राय व्यक्त कीजिए।

(घ) 'एठी ठैयाँ झुलनी हेरानी हो राम!' का प्रतीकार्थ समझाइए ।